इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) से (घ) इस्पात और खान मंत्रालय द्वारा खनिजों के लिए ऐसे कोई निर्यात लक्ष्य निर्धारित नहीं किए जाते। अतः उनके संशोधन का प्रश्न नहीं उठता। खनिजों का निर्यात वाणिज्य मंत्रालय द्वारा, समय-समय पर घोषित, आयात-निर्यात नीति के अनुसार किया जाता है। राष्ट्रीय खनिज नीति, 1993 के अनुसार निर्यात नीति में खनिज सूची स्थिति तथा देश की दीर्घकालीन आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जएगा। खनिजों का यथासंभव मूल्य वर्धित रूप में निर्यात करने के प्रयास किये जाएगें।

Restructuring and Expansion of VSP

2861. SHRI N.R. DASARI Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether Government have received representations from Members of Parliament and other quarters regarding restructuring of capital base and expansion of Visakhapatnam Steel Plant; and

(b) if so, the details thereof and Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF STEEL AND MINES (SHRI RAMESH BAIS): (a) Yes, Sir.

(b) Basically these representations sought expeditious action in obtaining the approval of Government on capital restructuring of VSP. A decision, thereafter has been taken to grant the following financial reliefs to RINL:

(i) conversion of Rs. 791 crore interest free lean to 7% non-cumulative redeemable preference capital, redeemable after 2000-01; and

(ii) conversion of Rs. 542.47 crore of loan advanced to RINL from 1993-94 to 1995-96 into 7% non-cumulative preference capital redeemable after 10 years.

गैर सरकारी क्षेत्र में इस्पात की उत्पादन लागत

2862. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे**: क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले 6 महीनों के दौरान गैर सरकारी क्षेत्र में इस्पात के उत्पादन लागत में वृद्धि हुई है;

(ख) ऐसी वृद्धि का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस वृद्धि से इस्पात के बाजार मूल्य में किस हद तक प्रभाव पड़ा है;

(घ) क्या ऐसे संयंत्र प्रतिस्पर्धा करने, उत्पादन स्थिरता बनाये रखने में समर्थ हैं; और

(ङ) क्या सरकार गैर-सरकारी क्षेत्र के इस्पात उद्योग की निगरानी कर रही है?

इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस): (क) और (ख) जी, हां। आदान लागत में वृद्धि, रुपए के मूल्य में गिरावट के प्रभाव से कच्चे माल आदि के आयात की उच्च लागत जैसे अनेक घटकों के कारण इस्पात की लागत में वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान टिस्को में 1100 रुपए की वृद्धि होने की सूचना प्राप्त हुई है।

(ग) इस्पात उद्योग उत्पादन लागत में हुई वृद्धि की पूर्णतः क्षतिपूर्ति कर पाने में समर्थ नहीं है। बाजार शक्तियों द्वारा निर्धारित किए जा रहे इस्पात के मूल्य स्थिर रहे हैं।

(घ) और (ङ) चूंकि इस्पात उद्योग को लाइसेंस मुक्त कर दिया गया है और नियंत्रण समाप्त कर दिया गया है अतः इसका भविष्य पूर्णतः बाजार परिस्थितियों पर निर्भर करता है। उद्योग में अलग-अलग कंपनियों का भविष्य अनेक घटकों, जिनमें प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए अपनाई गई बाजार नीति शामिल है, पर निर्भर करता है। तथापि, 1998-99 के बजट में आयात शुल्क, आवास और अवसंरचना क्षेत्र के संबंध में घोषित किए गए उपायों के फलस्वरूप इस्पात की मांग की स्थिति में सुधार होने की आशा है।

Steel Plants in Public Sector

2863. DR. D. VENKATESHWAR RAO : Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) the policy to keep alive all steel plants in the public sector; and